



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29]  
No. 29]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 20, 1991 (आषाढ़ 29, 1913)  
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 20, 1991 (ASADHA 29, 1913)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	573
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	855
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	7
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1043
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निबन्धक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	687
भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	789
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2417
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	93
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों की एकत्रित जानकारी	*

## CONTENTS

PAGE

PAGE

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolution issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court. 573

PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court. 855

PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence. 7

PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence. 1043

PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations. \*

PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations. \*

PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills. \*

PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (I)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories). \*

PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories). \*

PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories). \*

PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence. \*

PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India. 687

PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs. 789

PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners. \*

PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies. 2417

PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies. 93

PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi. \*

## भाग I—खण्ड 1

## (PART I—SECTION 1)

## (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions Issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

कानून तथा प्रशिक्षण विभाग

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1991

सं० 10/3/91-के०१० (II) —कर्मचारी भवन आयोग द्वारा 1991 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों की उम्मीदवारों में नियुक्ति के लिए आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा में नियम आम जनकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ख) —(आधुनिक-संशोधन का सेट-2)
- (2) रेल एवं संचालन आधुनिक सेवा सेट-ग (उक्त सेट की नियम सूची में सम्मिलित करने हेतु)
- (3) केन्द्रीय संचालन आधुनिक सेवा सेट-ग (इस सेट का नियम सूची में सम्मिलित करने के लिए)
- (4) सशस्त्र सेवा मुख्यालय आधुनिक सेवा सेट-ग, और
- (5) भारत सरकार के कुछ अन्य विभाग/संगठनों तथा संयुक्त कार्यालयों में आधुनिक के गव और भारतीय विदेश सेवा—(ख)/एन कोर्ब सचिवालय आधुनिक सेवा/केन्द्रीय संचालन आधुनिक सेवा/सशस्त्र सेवा मुख्यालय आधुनिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

1. उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक से अधिक सेवा संबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई भी उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। वह इच्छा से अपनी सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है उनका उल्लेख अपने आवेदन पत्र में कर सकता है।

टिप्पणी 1: उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिस सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं उनका नवीयता कम स्पष्ट रूप से निश्चित है।

उम्मीदवारों द्वारा निम्नलिखित उन सेवाओं/पदों के नवीयता कम में परिवर्तन के संबंध में किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक वेना अनुरोध प्रकाशित समाचार में लिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर कर्मचारी भवन आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाते।

टिप्पणी 2: इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी आधुनिकों की ही आवश्यकता होगी और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के आधुनिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुमति प्राप्त किया जाता है (संदर्भ : नियमावली के परिशिष्ट 1 का पैरा 4।)

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती जाने वाली स्थितियों की संख्या और में नियुक्ति को मांगी 1 अनुमति प्राप्त जाति तथा अनुमति प्राप्त जातियों के उम्मीदवारों के लिए पद गणित द्वारा निम्नलिखित स्थितियों को देखते हुए आरक्षित रहे जायेंगे।

3. कर्मचारी भवन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-I में निर्धारित क्रम से की जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा तय करके दिए जाएंगे।

4. (1) उम्मीदवार का या दो :—

- (क) भारत की नागरिक होना चाहिए या
- (ख) नेपाल की प्रजा या
- (ग) भूटान की प्रजा या
- (घ) देश में रहना अथवा देश में रहने के इच्छुक होना या
- (ङ) कोई सार्वजनिक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इच्छुक हो और अंतराष्ट्रीय से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्र (एजिडिक्टरी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह शर्त और एक उम्मीदवार (ख), (ग) और (घ) के वर्गों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) —आधुनिक नियम का अंक (II) से नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

(II) परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

5. (क) इस परीक्षा में प्रवेश के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1980 को पूरा 18 वर्ष की हो गई हो किन्तु उसकी आयु पूरा 28 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1965 से पहले और 1 अगस्त 1972 के बाद का न हो।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी आयु सीमा में 36 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है जो सशस्त्र सेवाओं के प्रशासकीय अथवा निदेशन आयोग तथा केन्द्रीय सशस्त्र सेवा आयोग और लोक सेवा/राज्य सेवा सचिवालय के अथवा व्यक्तियों सहित, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आधुनिक (जिनमें प्राचीन आधुनिक भी शामिल हैं), सिविल/आयुट/कमा के पदों पर नियुक्ति के लिए नियुक्त हैं और 1 अगस्त, 1980 को निम्नलिखित आधुनिक (भाषा आधुनिक सहित निदेशन/आयुट/कमा) के रूप में कम से कम तीन वर्ष निरन्तर सेवा की हो तथा उक्त पदों पर अभी तक काम कर रहे हो।

परन्तु उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उक्त व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो सब कोश प्रयोग/कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पहले की गई परीक्षाओं के आधार पर प्रवेश प्राप्त करने वाले हैं।

- (क) केन्द्रीय सचिवालय आधुनिक सेवा (कैड-ग), या
- (2) रक्षा विभाग सचिवालय आधुनिक सेवा (कैड-ग) या
- (3) भारतीय विदेश सेवा (ख) आधुनिक सेवा (कैड-ग) (II) या
- (4) सशस्त्र सेवा मुख्यालय आधुनिक सेवा (कैड-ग)।

टिप्पणी 1 : बाक न तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छाईकारों द्वारा की गई सेवा उपयुक्त नियम 6(ख) के प्रयोग के लिए लिपिक के रैंक में की गई सेवा समीचीन होगी।

टिप्पणी 2 : रक्षा पत्रिका में नियुक्त सेवा लिपिकों द्वारा की गई सेवा उपयुक्त नियम 5 (ख) के प्रयोग के लिए नहीं मिली जाएगी।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु-सीमा में निम्नलिखित मामलों में और भी अधिक हो सकती हैं—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (2) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रस्थित होने वाले भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवेश किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रस्थित होने वाले भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवेश किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (4) यदि उम्मीदवार वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 01 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवेश किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (5) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या जनजाति का हो और वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 01 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवेश किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (6) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अंतराविश्व क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान बिकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (7) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अंतराविश्व क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान बिकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (8) जिस भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/एस० एस० सी०/अल्प-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली अगस्त, 1980 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जिन्हें (i) सेवा पूरी होने पर, जिनमें से अधिकांश भी शामिल हैं जिनकी सेवा आश्विन प्रस्तुत करने की तारीख से एक वर्ष के भीतर पूरी होने वाली है अथवा अथवा जो कवाचार या अवकाश या अवकाश के आधार पर या (ii) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपाता अथवा (iii) अवकाश के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से बर्खास्त अथवा कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।

(9) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/एस० एस० सी०/अल्प-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/एस० एस० सी०/अल्प-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों) ने 01 अगस्त, 1980 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और (1) जो कवाचार या अवकाश के आधार पर बर्खास्त या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपाता या (3) अवकाश के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें से भी सम्मिलित हैं, जिनका कार्यकाल आश्विन प्रस्तुत करने की तिथि से एक वर्ष के अथवा पूरा होता है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

(10) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में जिनमें से पहली अगस्त, 1980 की सैनिक सेवा के 8 वर्ष की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण पत्र जारी करता है कि वे निम्न रोजगार के लिए आश्विन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के मोटिव पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 8 वर्ष।

(11) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में जिनमें से पहली अगस्त, 1980 की सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण पत्र जारी करता है कि वे निम्न रोजगार के लिए आश्विन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के मोटिव पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

(12) यदि कोई उम्मीदवार 01 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान सामान्यतः असम राज्य में रहा है तो उसके लिए अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(13) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या जनजाति का हो और 01 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान सामान्यतः असम राज्य में रहा है तो उसके लिए अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी-1 : भूतपूर्व सैनिक, जो भूतपूर्व सैनिकों को पुनर्नियोजन के लिए दी जाने वाली सुविधाएं प्राप्त करने के पहले से ही विभिन्न क्षेत्र में सरकारों सेवा में कार्यरत हैं वे उपयुक्त नियमावली के नियम 5 (ग) (VII) और 5 (ग) (IX) के अधीन आयु सीमा में छूट पाने के पात्र नहीं हैं।

टिप्पणी-2 : आयु सीमा में छूट पाने की सुविधाएं प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए पांच की तारीख सशस्त्र सेवाओं के किसी सैनिक को भूतपूर्व सैनिक माने जाने के लिए उसे किसी पद/सेवा के लिए अपना आश्विन प्रस्तुत करने के समय भूतपूर्व सैनिक का पहले ही स्तर अंतिम कर लिया जाना चाहिए और/अथवा वह सक्षम प्राधिकारियों से रक्षाबंधी सक्षम द्वारा अपनी इस आकांक्ष की पात्रता की सुस्थापित करेगी की स्थिति में हो कि एक वर्ष के भीतर अपनी नियुक्ति की विधिगत अवधि पूरा हो जाने पर उक्त सशस्त्र सेवाओं में से कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। (आश्विन प्रस्तुत करने की तारीख ही इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त है)। इस संबंध में उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का कार्य/परिचयन अनुबंध में

दिया जाता है (जैसे कि कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के विनोद 3-4-1991 के का० शा० सं० 36034/ 2/ 01- स्था० (अनु० शा०) के पैरा 2 में दिया गया है)।

ऊपर की गई अवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

(1) जिस उम्मीदवार की उम्मीदवार नियम 5 (ख) में उल्लिखित आयु सीमा छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है या विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पत्र से छुटी हो जाती है तो वह पास बना रहेगा।

(2) ऐसा आधुनिक (भाषा आधुनिक सहित) लिपिक/आधुनिक जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संबंध वाले पत्रों पर प्रतिनिधित्व पर है अथवा जिसे किसी अन्य पत्र पर न्यायान्तरित कर दिया गया है परन्तु उसका धारणाधिकार उस पत्र पर है जिससे वह स्थानान्तरित किया गया था यदि वह अथवा पात्र है तो परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

8. उम्मीदवार ने भारत के केन्द्र या राज्य विद्यालय में किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विषयविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा अवश्य पास की हो अथवा उसके पास किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल बोर्ड के अन्त में स्कूल प्रीमियर, माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल परीक्षा, या कोई और प्रमाण पत्र हो जो राज्य सरकार की नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष हो।

टिप्पणी :—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पास होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना नहीं मिली है। तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का हकदार है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

7. उन सभी उम्मीदवारों को जो पहले से सरकारी नौकरी में वास्तविक या वैधिक वर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत में काम कर रहे हों या जो लोक उद्यमों में सेवानिवृत्त हों तो वह परिचय (अवरोधक) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को स्पष्ट रचना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजनता है उनके उत्तम परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने के सम्बन्ध में अनुमति दी गई है तो कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

8. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

9. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण पत्र (सादिकिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

10. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 11 में निर्धारित शीट देखनी होगी।

11. जिस उम्मीदवार ने :—

1. किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
2. नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

3. किसी अन्य व्यक्ति के कवच रूप से कार्य प्राप्त कराया है, अथवा

4. अपनी उम्मीदवारी या ऐसे उम्मीदवार प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा

5. पत्र या छूट प्राप्त किए हैं। तब तो वह उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

6. परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

7. परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

8. उत्तर पुस्तिकाओं पर ध्वंसन करने लगी हो जो अस्थायी पात्रों में या उसमें आशय की हो, या

9. परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या

10. परीक्षा में शामिल होने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य किसी प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या

11. उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देने हुए प्रेषित प्रमाण-पत्र को साथ जारी किसी अनुप्रेषण का उल्लंघन किया हो, या

12. उपर्युक्त उच्छा में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग का ध्वंसन करने का प्रयास किया हो तो उन पर आप-राधिक अभियोग (विधिवत प्रावधानों) चलाया जा सकता है और उनके पास ही रहे। —

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा दी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी विभाग की नौकरी/सिपाई और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अर्धीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

टिप्पणी :—यह है कि इस नियम के अधीन कोई शामिल तब तक नहीं की जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जी बड़े देना चाहें, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. परीक्षा के बाद आयोग लिखित परीक्षा और आधुनिक परीक्षा में उम्मीदवारों को कुल पात्रों को के आधार पर लिखी और अर्धीन के आधुनिकों के लिए योग्यता-क्रम के अनुसार जगह-जगह सूची तैयार करेगा और उस क्रम के अनुसार आयोग द्वारा दी उम्मीदवारों को अर्हता प्राप्त होगी, उनके नामों की लिखी और अर्धीन आधुनिकों की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए और उस परीक्षा के परिणामों के आधार पर अन्तिम रिक्तियों में पदों की भरने के लिए निर्धारित की जाएगी।

परन्तु ध्यान रहे कि आयोग द्वारा अनुचित प्रति प्रस्ताव अनुपस्थित प्रति-जानि के उम्मीदवारों को, जिनकी रिक्तियां उनके लिए आशय की गई हैं, उनकी ही गणना में, मानक स्तर में छूट देते हुए प्रस्तुत करें बजाय कि वे उम्मीदवार जिस सेवा के लिए उनका चयन किया जा रहा है उसके लिए, योग्य पाए जाए।

परन्तु अभी यह गर्व है कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवार जिनको इस उपनियम में उल्लिखित मानक स्तर में ग्रीक विद्यु बिना ही आयोग द्वारा भिन्न-भिन्न की गई हो, उन्हें अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातों के विद्यु अर्हता रिक्तियों पर नहीं लगाया जाए।

परीक्षा के अंतर्गत परिणाम की घोषणा के समय सीधे तौर पर उनके स्वयं की ग्राह्यता रखते हुए उनके द्वारा भी गई प्राथमिकता को ध्यान में रखकर विचारणीय रखा जाएगा।

जो उम्मीदवार 120 जम्ब प्रति मिनिट की गति से श्रुतलेख लेने के स्थूलतम अर्हता स्तर को पूरा करे उनको 100 जम्ब प्रति मिनिट की गति से श्रुतलेख लेने के स्तर को पूरा करने वाले उम्मीदवारों से ऊपर रखा जाएगा, प्रत्येक श्रेणी में प्रत्येक उम्मीदवार को कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार रखा जाएगा।

13. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षा परिणाम की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग परीक्षा परिणाम के बारे में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

14. परीक्षा में पाग होने मात्र से नियुक्त का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट नहीं हो जाए कि उम्मीदवार चांगल तथा पूर्वभूत की दृष्टि से सेवा में पत्र पर नियुक्त के लिए हर प्रकार से योग्य है।

15. जिस व्यक्ति ने —

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवन प्रतिपत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवन प्रतिपत्नी के रहने हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है।

तो वह नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के हमारे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

16. उम्मीदवार को मानविक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सम्बन्धित सेवा/पत्र के अधिकारी के रूप में अपने पत्र के कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि गलत अधिकारी द्वारा लिखित बाधक परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञान हुआ है कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा की जाएगी जिसकी नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किये जाने की संभावना हो।

टिप्पणी — श्रुतपूर्व रक्षा सेवा के विकलांग कर्मियों के सम्बन्ध में रक्षा सेवा के डिमोबिलाइजेशन अधिकार बोर्ड द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

17. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भरती की जा रही है उसके संबंधित विवरण परिशिष्ट-II में दिया गया है।

परिशिष्ट—I

1. परीक्षा के दिवस, परीक्षा के लिए दिया गया समय तथा पूर्णक इस प्रकार होंगे —

भाग—क लिखित परीक्षा

प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
प्रश्न पत्र—I सामान्य परीक्षा			
(क)	सामान्य अंग्रेजी	200	2 घंटे
(ख)	सामान्य ज्ञान (वस्तु, परब)		
प्रश्न पत्र-II : निबन्ध		100	2 घंटे

भाग—ख हिन्दी या अंग्रेजी में आधुनिक परीक्षा लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले के लिए 300 अंक।

टिप्पणी—I. लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र II का मूल्यांकन उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिन्होंने प्रश्न पत्र में स्थूलतम अर्हता अंक प्राप्त किए हैं जो कि भारतीय के द्वारा अपनी मर्जी से निर्धारित किए जायेंगे।

टिप्पणी—II : उम्मीदवारों को अपने आधुनिक नोट टंकण मशीन पर लिप्यन्तर करने होंगे और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टंकण मशीन लानी होगी।

टिप्पणी—III : सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों में वस्तु पत्र प्रकार के प्रश्न होंगे।

3. लिखित परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तथा आधुनिक परीक्षाओं की योजना इस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची के अनुसार होगी।

4. उम्मीदवार "निबन्ध" के प्रश्न पत्र (II) का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) या अंग्रेजी में दे सकता है। यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र पर लागू होगा न कि उसके किसी भाग पर।

जिन उम्मीदवारों ने लिखित के प्रश्न पत्र का उत्तर देने के लिए हिन्दी (देवनागरी) का विकल्प दिया और यदि वे चाहें तो तकनीकी शब्दों को हिन्दी में लिखने के साथ उनका अंग्रेजी स्वरूप कोष्ठकों में लिख दें।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखते हैं वह केवल वे ही आधुनिक परीक्षा भी केवल (देवनागरी) में ही देनी होगी और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न के उत्तर अंग्रेजी में लिखते हैं वह केवल वे ही आधुनिक परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही देनी होगी।

निबन्ध और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (हिन्दी और अंग्रेजी) दोनों भाषाओं से तैयार किये जाएंगे।

टिप्पणी. 1—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबन्ध के प्रश्न (II) का उत्तर तथा आधुनिक परीक्षा हिन्दी (देवनागरी) देने के लिए हों तो वह विकल्प आगेवर्त पत्र के कालखण्ड में लिखें अथवा यह माना जायेगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आधुनिक परीक्षा अंग्रेजी में देते।

एक बार दिया गया विकल्प अंतिम गणना जाएगा और उक्त कालखण्ड में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि उम्मीदवार ने आधिकारिक प्रश्न में लिखित सामग्री के अलावा अन्य सामग्री में परीक्षा दी है तो ऐसे उम्मीदवारों के प्रश्न पत्र (पत्रों) का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

करतार सिंह,  
जबर सचिव

टिप्पणी : 2—जो उम्मीदवार आशुसिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देते उन्हें अंग्रेजी आशुसिपि और जो आशुसिपि परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देते उन्हें हिन्दी आशुसिपि नियुक्ति के बाव्द सीखनी होगी ।

टिप्पणी : 3—जो उम्मीदवार किसी विदेश में भारतीय मिशन पर परीक्षा देना चाहता है उसे विदेश स्थित किसी ऐसे भारतीय मिशन पर अपने चर्च पर स्टेनोग्राफी परीक्षण देना होगा जहाँ ऐसा परीक्षण करने की व्यवस्था मूलम है ।

5. लिखित परीक्षा का प्रश्न पत्र (1) का भाग (क) केवल अंग्रेजी में ही तैयार किया जाएगा । प्रश्न—II का भाग (ख) द्विभाषी रूप में तैयार किया जाएगा ।

8. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे । किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

7. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या अधिक हिस्सों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है ।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुसिपि परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो आयोग के विदक के अनुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे ।

9. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।

10. अस्यक्त लिखावट के कारण लिखित विषयों में पूर्णता में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे ।

11. निबन्ध के प्रश्न पत्र की परीक्षा में बस से कम अंशों में कमबख्त प्रधानपूर्ण अंग से और ठीक-ठीक की गई भाषाविशेषता की विशेष महत्व दिया जाएगा ।

12. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखने समय भारतीय अंकों के अन्तराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए ।

अनुसूची

भाग—क

लिखित परीक्षा का स्तर और राष्ट्रीय विषय :

टिप्पणी : भाग “क” के प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग यही होगा जो किसी भारतीय विषयविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है ।

सामान्य अंग्रेजी :—यह प्रश्न पत्र इस ढंग से तैयार किया जाएगा कि इससे उम्मीदवार के अंग्रेजी व्याकरण और निबन्ध रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जाँच हो जाए । इस प्रश्न पत्र में शब्दों में शुद्ध प्रयोग, सामान्य मुद्रावरी और अव्यय (प्रिपोजीशन) आयरेक्ट और इन्वायरेक्ट स्पीच आदि शामिल किए जा सकते हैं ।

निबन्ध :—उम्मीदवारों को दो प्रश्नों पर निबन्ध लिखना होगा । विषय चुनने की छूट भी जाएगी । उनमें यह भाषा की जाएगी कि वे अपने विचार व्यवस्थित रूप से निबन्ध के विषय के संबंध में ही संक्षिप्त रूप से लिखेंगे । प्रभाव पूर्ण ढंग से तथा ठीक-ठीक भाव व्यक्त करने वालों की प्रिय दिया जाएगा ।

सामान्य ज्ञान :—निम्नलिखित विषयों की थोड़ी बहुत जानकारी :—

भारत का संविधान, ऐनवर्षीय योजनाएं सार्वजनिक इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, वर्तमान घटनाक्रम, सामान्य विज्ञान और दिन प्रतिदिन तज़र आने वाली ऐसी बातें जिसकी

जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए । उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होगा चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है । उनके उत्तरों में किसी पाठ्य पुस्तक के आधार पर ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती है ।

भाग—ख

आशुसिपि परीक्षा योजना

आशुसिपि परीक्षाओं की योजना :—अंग्रेजी में आशुसिपि की परीक्षाओं में दो भूतल परीक्षाएं होंगी । एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवार को क्रमशः 45 तथा 80 मिनटों में लिखना पड़ेगा ।

हिन्दी में आशुसिपि की परीक्षाओं में दो भूतल परीक्षाएं होंगी एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 60 तथा 88 मिनटों में लिखना पड़ेगा ।

परिणित-II

उन सेवाओं/पदों के सम्बन्धित संक्षिप्त विवरण जिसके लिए इन परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है :—

(क) केन्द्रीय सचिवालय आशुसिपि सेवा ।

(ख) केन्द्रीय सचिवालय आशुसिपि सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

निजी सचिव ग्रेड : ४० 3000-100-3500-125-4500 ।  
ग्रेड “क” तथा “ख” (निर्धारित) : ४० 2000-60-2300-  
४० १००-75-3200-100-3500 ।

ग्रेड “ग” : ४० 1640-80-2600-४० १००-75-2900 ।

ग्रेड “घ” : ४० 1200-30-1500-४० १००-40-2040 ।

(2) उक्त सेवा के ग्रेड “ग” में नियुक्त व्यक्ति को वही तक परीक्षाधीन रहनी । इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं ।

(3) परीक्षा की अधिकि पूरी होने पर सरकार सम्बन्धित व्यक्ति को उसके पद पर स्थायी कर सकती है या यदि उसका कार्य अवकाश विवरण सरकार की राय में अस्वीकार्य रहता हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा अधिकि चितनी और बढ़ाया अधिक समय दे सकती है ।

(4) सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुसिपि सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा । किन्तु उसकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है ।

(5) सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किए गए व्यक्ति इन सम्बन्ध में समय-समय पर आयु नियमों के अनुसार अपने सम्बन्धित ग्रेड में पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे ।

(6) जिन लोगों की नियुक्त सेवा के ग्रेड ग में उनके अपने विकास के अनुसार की जाएगी उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के संदर्भ अथवा रेल बोर्ड सचिवालय आशुसिपि सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानांतरण या नियुक्ति का बाधा न कर सकेंगे ।

ख. रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुनिधिक सेवा —

(क) (1) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुनिधिक सेवा में इन समय निम्न ग्रेड हैं :—

ग्रेड "क" तथा "ख" (विनियमित) - ४० 2000-60-2300-  
४० २०-75-3200-100-3500।

ग्रेड "ग" - ४० 1640-60-2600-४० २०-75-2900।

ग्रेड "घ" : ४० 1200-३०-1560-४० २०-40-2040।

(2) उक्त सेवा के ग्रेड "ग" में वर्गीकृत किये गये व्यक्ति दो वर्षों की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण देना पड़ेगा तथा ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ेगी जो सरकार समय-समय पर निर्धारित करे। परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यदि यह पाया गया कि सरकार की राय में उनमें से किसी की व्यक्ति का कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो उसे सेवा से हटा दिया जा सकता है या अगली परीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा अवेजित अवधि तक बढ़ाया जा सकता है।

(3) उक्त सेवा के ग्रेड ग में वर्गीकृत किये गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अपने उच्च ग्रेड में प्रवृत्ति के पात्र होंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुनिधिक सेवा रेल संचालन तक ही सीमित है तथा केन्द्रीय सचिवालय आशुनिधिक सेवा की तरह कर्मचारियों का अन्य संस्थानों में स्थानांतरण नहीं होता है।

(ग) इन नियमों के अधीन वर्गीकृत किये गए रेलवे बोर्ड आशुनिधिक सेवा के अधिकारी :—

(1) पेंशन लाभ के पात्र होंगे तथा

(2) सेवा में जाने की तारीख को नियुक्त वेतन कर्मचारियों पर लागू गैर अंशदायी राज्य वेतन बोर्ड सश्रित्त निधि के अधीन उक्त निधि में अभिधान करेगी।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुनिधिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आवेदन के अनुसार पास और विनोदधिकार टिकट आवेदन का हवाला देता।

(ङ) जहाँ तक अवकाश तथा सेवा की अन्य शर्तों या सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुनिधिक सम्मिलित स्टाफ के साथ ऐसा ही बताना किया जाता है जैसाकि रेलवे के अन्य स्टाफ है, किन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में वे केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू नियमों में शामिल होंगे जिनका समावेश नहीं किया गया है।

ग. भारतीय विदेश सेवा (घ) आशुनिधिक संवर्ग का ग्रेड—II भारतीय विदेश सेवा (घ) आशुनिधिक संवर्ग में इन समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

न्यूनतम ग्रेड :

ग्रेड—I : विनियमित ४० 2000-60-2300-४० २०-75-3200-100-3500।

ग्रेड—II : ४० 1640-60-2600-४० २०-75-2900।

ग्रेड—III : ४० 1200-30-1560-४० २०-40-2040।

आशुनिधिक संवर्ग के ४० 3000-100-4500-४० २०-125-4500 के तैयारीमान में न्यूनतम ग्रेड की कार्यवाही चल रही है।

(2) उक्त सेवा के ग्रेड में वर्गीकृत किये गये व्यक्ति दो वर्षों की परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से

निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षाओं अवधि अंतर्गत और बढ़ाता उचित समझे, बढ़ा सकती है।

3. भारतीय विदेश सेवा (ग) आशुनिधिक के संवर्ग में नियुक्त अधिकारी भारतीय विदेश सेवा शाखा "ख" (आर० सी० एम० पी०) नियमावली 1984 भारतीय विदेश सेवा (पी० एम० सी० ए०) नियमावली 1981 को भारतीय विदेश सेवा "ख" के अधिकारियों पर लागू की गई है तथा वे अन्य नियम और आदेश जो भारत के अधिकारियों पर लागू की गई हैं तथा वे अन्य नियम और आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जाएं द्वारा शासित होंगे।

4. भारतीय विदेश सेवा शाखा (घ) विदेश संचालन और विदेश में भारतीय मिशनो तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारी वाणिज्य संचालन को छोड़कर सामान्यतया अन्य संस्थाओं में स्थानांतरित नहीं किए जा सकते हैं। परन्तु वे विदेशों में अन्य संस्थाओं में भ्रमिने वर्षों पर तथा अन्तर्राष्ट्रीय आयोगों में भी नियुक्त किए जा सकते हैं। वे भारत में तथा भारत के बाहर कहीं भी उन स्थानों सहित जहाँ परिवार का कोई भी सदस्य साथ नहीं रहना होना सेवा पर भेजे जा सकते हैं।

5. भारतीय विदेश सेवा (घ) के अधिकारियों को विदेश में उनके मूल वेतन के अनिश्चित उस पर वे विशेष सलाह दिया जाएगा जो सम्बन्ध वेतन के निर्वाह व्ययों आदि के आधार पर समय-समय पर स्वीकार किया जाए। इसके अनिश्चित भारतीय विदेश सेवा (घ) के अधिकारियों के लिए लागू भारतीय विदेश सेवा (पी० एम० सी० ए०) नियमावली, 1981 के अनुसार विदेश सेवा अवधि में निम्नलिखित नियमों की स्वीकार्य होगी :—

(1) सरकार द्वारा निर्धारित तैयारीमान के अनुसार निःशुल्क मुसज्जित आवास।

(2) सहायता प्राप्त चिकित्सा परीक्षा के अस्तित्व चिकित्सा परीक्षा सुविधाएं।

(3) 6 और 22 वर्ष की आयु के बीच के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए जो भारत में पढ़ रहे हों अथवा एक बच्चा भारत तथा दूसरा विदेश में अधिकारी की तैयारी से इतर किसी अन्य देश में पढ़ रहा हो कनिष्ठ शर्तों के अधीन आयु मार्ग द्वारा आपसी यात्रा व्यय। यदि सरकारी कर्मचारियों के भारत में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और 22 वर्ष की आयु के बीच दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे विदेश में अपने माता-पिता के पास यात्रा करने जाने दो बच्चों के बच्चे अपनी पत्नी को छुट्टियों के दौरान भारत सेजने का विकल्प होगा। ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारी की पत्नी वरती से सस्ती उपलब्ध भेजी से आयु मार्ग द्वारा आपसी यात्रा व्यय की हकदार होगी।

(4) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर में 5 से 15 वर्ष के अधिक से अधिक दो बच्चों का शिक्षा व्यय।

(5) विहित नियमों और समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार विदेश में सेवा करने के सम्बन्ध में सजाकरण सलाह प्राप्त होगी।

(6) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों की घर जाने की छुट्टी का प्रावधान किया गया।

8. केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 को समय समय पर संशोधित किए गए हैं, कनिष्ठ संशोधनों के अधीन इन सेवा के सदस्यों पर लागू होंगे। ये अधिकारी विदेश सेवा में केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के अधीन प्राप्त छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी नहीं कर सकते हैं।



7. उक्त अधिकारी जब भारत में होंगे, जो ऐसी गिन्यामतों में हलफार होंगे, जो बराबर तथा एक समान स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए प्राण्य हैं।

8. भारतीय विदेश सेवा (व) के अधिकारी सामान्य सचिव्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली, 1960 में समय-समय पर संशोधित किया गया है, तथा उसके अन्तर्गत जारी किये गये वेतनों द्वारा शासित हैं।

७. इस सेवा में नियुक्त अधिकारी केन्द्रीय निविदा सेवा (पेंशन) नियमावली, १९७२ जिसे समय-समय पर सशोधित किया गया है और उसके अन्तर्गत जारी किये गये भाषाओं के द्वारा शामिल होंगे।

प सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुपिपिक सेवा :

सशस्त्र सेना मुख्यालय आर्गुनिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित प्रेषण हैं :-

**आवृत्तिपिण्डः :-**

ग्रेड "क" एवं "ख" (भिलियन) : र० २०००-८०-२३००-व  
र०-७५-३२००-१००-३५०० ।

फ़ाइल "ग" नं० 1040-60-2000-ब० खी०-75-2000 ।

फ़ोन "ब" : रु० 1200-30-1560-ब० शीट-40-2040 ।

2. अस्थायी आयुधविक विक्रेता "ज" (बैयकलक सहायक) के रूप में सीमे सीरी किये गये ब्यक्ति दो वर्ष तक परिणीशाधीन रहेंगे। इरा अवधि में यदि अस्तोवेजनक सेवा अभिषेख रूना, तो परिणीशाधीन ब्यक्ति की सेवा से निवारण जा सकता है। परिणीशाधीन अवधि में उन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

3. मणारख सेना मुख्यालय आशुनिधिक सेवा में भनी किया गया प्रेषण का आशुनिधिक सामान्यतः राक्षस सेना मुख्यालय और दिल्ली/बर्ली दिल्ली स्थित वाहन सेवा सगठन के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जाएगा। यह दिल्ली/बर्ली दिल्ली के बाहर अन्य स्थानों पर भी नियुक्त किया जा सकेगा जहाँ मणारख सेना मुख्यालय अंतर सेवा सगठन के कार्यालय स्थित हो।

4. प्रेक्षक को आयुशिक्षिक प्रेक्षक (बर्गिष्ठ वैयक्तिक सहायक) के पदों पर पदोन्नति के लिए पात्र होंगे और प्रेक्षक आशुशिक्षिक (बर्गिष्ठ वैयक्तिक सहायक) समय-समय पर लागू किए गए नियमों के अनुसार प्रेक्षक के आयुशिक्षिक (निर्णी सचिव) के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे ।

8 कूटनी, चिकित्सा सहायता और सेवा की अन्य बातें वहीं हैं जो सशस्त्र सेवा मुख्यालय और अलग सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य अधिकारियों के लिए लागू हैं ।

**समाप्त**

कार्यक्रम व्यक्ति के प्रमाण-पत्र के पार्श्व के लिए, कृपया नियम परा (I) के नीचे नियम III को देखें :

मैं एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरे पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सच्चा ..... माग .....  
 तिथि ..... की सहाय्य सेना में भाग्य पद धारण  
 की निर्दिष्ट अवधि पूरी करने वाला है।

स्थान :

विनायक

कक्षाधिकारी के हस्ताक्षर  
कार्यालय सीक

કચ્છીવજાર વારા દિવા જામે ધાણા વચન

मुझे इस बात की जानकारी है कि इस आदेश पत्र से सम्बन्धित अर्थी/परीक्षा का आचारण पर यदि मेरा जयन हो जाता है तो उस विधि में मेरी नियुक्ति नियोजना प्राधिपारी को गंभीर कर सकते होते इस राज्य के राज्यपाल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर की जायेगी कि 4.5 सप्ताह गेराओं से विभिन्न रूप में कार्य मन्त्र/सिन्धुविषय/सिन्धुमन्त्र विद्या गया है और साथ ही समय-समय पर यथा-संशोधन केन्द्रीय विधि/सेवा तथा पर नियमावली, 1974 में उल्लिखित सतत रूप से शिक्षा/परीक्षा/उ.प. के अधिवार, सतत रूप से विधि/सेवा के अन्तर्गत सम्बन्धितों का पात्र है ।

जन्मस्थान : वे. प्रसन्नान्न

स्थान : \_\_\_\_\_

मन्त्रः ॥

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1991

आयेण

विषय—तेज और प्राकृतिक गैस आयोग की कक्ष अणुशोध  
क्षेत्र के स्तर—1, धिस्यार-डी क्षेत्र के 278 वर्ग किलो-  
मीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण जाहजेंस की  
स्वीकृति ।

सं० ओ-12012/21/89-ओ० एन० जी० डी० 4-

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1989 के नियम 5 के उप नियम (I) की धारा (I) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन देहरादून को (जिसे इसमें इसके पश्चात् आयोग कहा गया है) कच्छ के अपरटीय क्षेत्र के ब्लॉक-J, विस्तार-डी क्षेत्र से 275 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से पेट्रोलियम भण्डन की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 28-3-1989 से चार वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिए गए हैं।

खाइसेम की स्वीकृति निम्नलिखित बातों पर है :-

(क) अन्वेषण लालसेम पैट्रोनियम के संचय में होगा ।

(ख) यदि अपेक्षित कार्य के दौरान कोई अनिष्ट घटना घट जाए तो आयोग पूर्ण ऋद्धि के साथ उसकी सुचना मेन्ट्रिय सरकार को देगा ।

(ग) स्वयं शुल्क (रायस्टी) लिम्बलिखित दरो पर ली जाएगी:—

(1) सम्बन्ध प्रशोधित नैन तथा केसिंग ह्वे कन्वैन्सेट पर 314 रुपये प्रति-मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

(II) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये वर्ष केन्द्रिय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी ।

स्वातन्त्र्य शूल्क (रायल्टी) की अवायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली के मेलन तथा सेवा अधिकारी को की जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अधोदित लेख की माता, केसिंग हूब कन्वेन्सेट और प्राकृतिक गैस की माता तथा उसके कुल उचित मूल्य वशानि वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न "अनुसूची" में दिए गए प्रारूप में भरकर देना होगा।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1989 के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 50,000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के सम्बंध में एक शूल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी

- (1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8/- रुपये
- (2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 40/- रुपये
- (3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200/- रुपये
- (4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 400/- रुपये
- (5) लाइसेंस के तृतीयकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 600/- रुपये

(छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1989 के नियम II के उप नियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के बाद होगी।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को मांग किये जाने पर तत्काल लेख तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के वॉचमन पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भूवैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट शूल्क रूप से लेना तथा हर 6 महीने में लिखित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिणामों, व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की तलहटी और या उसकी सतह पर आग बुझाने संबंधी निस्तरक उपार्यों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर लेख क्षेत्र (विनियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबन्ध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर वस्तावेज

भरकर वेस जो अपतटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ड) आयोग छुदाई/अन्वेषी अपरेसन/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गये बायोमीट्रिक, सतही नमूने, छाया और चुम्बकीय आंकड़े तथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(डू) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित किये जाते हैं।

(ण) यदि बिदेसी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण शुरू करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी वल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिक्रिया में सुविधा हो।

(त) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आंकड़ों की नैयारी की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची 'क'

कच्छ अपतटीय (ब्लॉक-1, विस्तार-डी) क्षेत्र के 275 वर्ग किलोमीटर के लिए भौगोलिक निर्देशांक

पार्श्व	यक्षांतर			वेक्षांतर		
	डी०	मि०	से०	डी०	मि०	से०
ए	23	04	30	68	42	15
बी	22	58	15	68	56	00
सी	22	53	45	68	54	00
डी	23	00	00	68	40	00
ई	22	10	00	68	05	00
एफ	22	10	00	68	10	45
जी	21	55	00	68	10	45
एच	21	55	00	68	05	00
1.	21	39	00	67	00	00
2	21	23	30	68	00	00
3.	21	23	30	67	45	00
4.	21	23	38	67	45	00
5	21	28	38	67	35	00
6.	21	44	50	67	43	00
7	21	44	50	67	33	25
8	21	54	35	67	33	25
9.	21	54	35	67	10	00
10.	22	15	00	67	25	00
11.	22	15	00	67	55	00
12.	21	39	00	67	55	00

प्रमुखी (क)

अनुमोदित तेल, केसिय हेक्स कम्प्लेक्स तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उनके मुख्य सहित मासिक विवरण, पेट्रोलियम अन्वेषण साक्ष्य

दोस्तान  
मसह तथा वर्ष  
(क) अनुमोदित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय की लौटाये मी० टन की सं०	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 की घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	दिव्यनी
1	2	3	4	5

## (ख) केसिय हेक्स कम्प्लेक्स

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय की लौटाये मी० टन की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 की घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	दिव्यनी
1	2	3	4	5

## (ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय की लौटाये गये घन मीटरों की संख्या	केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 की घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	दिव्यनी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं भी ..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में भी गई प्रस्ता पूर्णरूपेण सत्य और सही हैं, उसे सही समझते हुए मैं कुछ अन्तःकरण और सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर .....

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर

एम० माडिन  
ईस्क अधिकारी

दिनांक 18-8-1991

आवेश

विषय.—तेल और प्राकृतिक गैस आयोग कोपालार अपतटीय क्षेत्र के पी० ओ० एस-II ए ब्लॉक क्षेत्र के पालार बेसिन में 1100 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

सं० ओ-12012/80/90-ओ० एन० जी० डी-4—पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 8 के उपनियम (1) की धारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून को (जिसे हमसे इसके पञ्चानु आयोग कहा गया है) पालार अपतटीय क्षेत्र के पी० ओ० एस-II ए ब्लॉक क्षेत्र के पालार बेसिन में 1100 वर्ग कि० मी० क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 17 जुलाई, 1990 (17-7-1990) से 4 वर्ष के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिये गये हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है—

- (क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।  
(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण स्वीकार के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।

- (ग) स्वतंत्र शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जाएगी—

(1) समस्त अशोधित तेल तथा केमिंग हेड कन्डेन्सेट पर 314 रुपये प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

(2) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी।

स्वतंत्र शुल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को की जायेगी।

- (घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण से प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह में प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केमिंग हेड कन्डेन्सेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "क" में दिए गए प्रपत्र में भरकर देना होगा।

- (ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 80,000/- रुपये की वसूली प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

- (च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलो-मीटर या उसके किसी अंग के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी :

- (1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8/- रुपये  
(2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिये 40/- रुपये

- (3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200/- रुपये  
(4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिये 400/- रुपये  
(5) लाइसेंस के पचीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 800/- रुपये

- (छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उप नियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतन्त्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के साथ होगी।

- (ज) आयोग केन्द्रीय सरकार की मांग किये जाने पर भत्ताध तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में पूर्वज्ञातिक आकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से लेगा तथा हर 6 महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों, व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

- (झ) आयोग समुद्र की तलहटी और या उसकी सतह पर आग बुझाने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और या सरकार को उसका मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

- (ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल अंश (विनियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबंध लागू होंगे।

- (ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसंधान एक ऐसे फार्म पर वसूली भर करेगा जो अपतटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

- (ठ) आयोग कृदाई/अन्यो आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए बाथीमीट्रिक, सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आकड़े यथा सामान्य रूप से रखा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

- (ड) संपूर्ण आकड़े भारत में संकलित किये जाते हैं।

- (ण) यदि विदेशी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण शुरू करने से पूर्व उसका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी वल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

- (न) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आकड़ों की नौसेना की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

पालार अपतटीय क्षेत्र के पी० ओ० एस-II ए ब्लॉक के पालार बेसिन में 1100 वर्ग कि० मी० क्षेत्र के लिए भौगोलिक निर्देशांक।

पारद	अक्षांतर		देशांतर	
ए	13°	00"	80°	06"
बी	15°	00"	80°	23"
सी	14°	40"	80°	23"
डी	14°	40"	80°	10"
ई	14°	47"	80°	06"

## अनुसूची-ख

अशोधित तेल, केसिंग ट्रेडकन्सेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उनके मुख्य सहित मासिक वितरण  
पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

## क्षेत्रफल

माह तथा वर्ष

क. अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ख. केसिंग ट्रेडकन्सेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ग प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं श्री..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पृष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण और सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

दिनांक 24 जून 1991

## आदेश

सं० ओ-12012/52/90-ओ० एन० जी० जी० 11—  
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम 5 के उप-  
नियम (1) के खण्ड (1) द्वारा प्रस्तावित शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए, केन्द्रीय सरकार तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन,  
देहरादून (जिसे इसके बाद आयोग कहा जायेगा) को मुद्रता क्षेत्र  
में 243 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम खनन के लिए नक्शबन्द,  
1990 के 15वें दिन (15-11-90) से 20 वर्षों के लिए खनन  
पट्टे की स्वीकृति देती है। जिसके विवरण विशेष रूप से इस आदेश  
के साथ संलग्न अनुसूची (क) में दिये गये हैं।

2. खनन पट्टे की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

- (1) खनन पट्टा केवल पेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (2) यदि अन्वेषण के दौरान पेट्रोलियम के अतिरिक्त कोई  
अन्य खनिज पदार्थ पाये गये तो आयोग संपूर्ण स्वीयों  
सहित इसे केन्द्रीय सरकार के ध्यान में लायेगा।
- (3) (1) आयोग समस्त असोक्षित तेल तथा कोर्सिंग  
हैंड कबेन्सेट पर 314/- रुपये प्रति टन या  
ऐसी दर से जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार  
द्वारा निर्धारित की जायेगी रायस्ती की दरे दे  
हो होगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय  
पर निर्धारित की जायेगी।
- (2) रायस्ती की अदायगी पेट्रोलियम और  
प्राकृतिक गैस विभाग, नई दिल्ली के अंतर्गत  
तथा सेवा अधिकारी को की जायेगी।
- (4) आयोग पट्टे के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 7  
दिनों के अन्तर पिछले माह में प्राप्त समस्त असोक्षित  
तेल की मात्रा कोर्सिंग हैंड कबेन्सेट और प्राकृतिक गैस  
की मात्रा तथा उसका कुल सकल मूल्य दर्शाते वाता  
एक पूर्ण और उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को  
सेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिये  
गये प्रपत्र में देना होगा।
- (5) आयोग पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959  
के नियम 13 की अपेक्षाओं के अनुसार 1,00,000/-  
रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(6) आयोग केन्द्रीय सरकार के पास 25000/- रुपये की  
राशि पट्टे की स्वीकृति देने से पूर्व खनन पट्टों की कीम  
के रूप में जमा करेगा।

(7) आयोग केन्द्रीय सरकार को प्रति वर्ष निम्नलिखित  
दरों पर निर्धारित वार्षिक डीड किराया अदा करेगा—

इससे संबंधित एक भाग के लिए पहले 100  
वर्ग किलोमीटर के लिए प्रति हेक्टेयर अथवा  
इसके किसी अंश के लिए 12.50 रुपये और  
प्रथम 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से अधिक के  
लिए प्रति हेक्टेयर अथवा उसके किसी अंश के लिए  
25/- रुपये बर्तते कि पट्टेधारी केवल डीड  
किराया अथवा रायस्ती दोनों में जो राशि में  
अधिक हो, परन्तु दोनों नहीं, अदा करे।

(8) आयोग केन्द्रीय सरकार को हर पट्टे के अधीन आयो-  
जित परिचालनों के प्रयोजन के लिए वास्तविक रूप  
से भूमि के समूही क्षेत्र का उपयोग करने के लिए, ऐसी  
दरों पर सतही किराया अदा करेगा, जो भूमि राजस्व  
और भूमि पर मूल्यांकन योग्य और मूल्यांकित उपकरणों  
में अधिक नहीं हो जैसा कि समय-समय पर केन्द्रीय  
सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

(9) आयोग केन्द्रीय सरकार को प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई  
और 1 जनवरी को अर्ध-वार्षिक आधार पर रायस्ती  
की अदायगी करेगा।

(10) आयोग केन्द्रीय सरकार की मांग पर तत्काल तेल  
एवं प्राकृतिक गैस आयोग के अन्वेषण और उत्पादन  
के दौरान पाये गये सभी खनिज पदार्थों के संबंध में  
भूवैज्ञानिक आकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट मुक्त  
रूप में देगा तथा हर छः महीने में केन्द्रीय सरकार  
को सभी गणितीय, वैज्ञानिक और उत्पादन के  
संबंध में निश्चित रूप से सूचना देगा।

(11) आयोग समुद्र की तलहटी और अथवा उसके धरातल  
पर आग लगने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था  
करेगा तथा आग मुक्ताने के लिए हर समय के लिए  
ऐसे उपकरण, सामान तथा साधन बनाने रखेगा और  
सीसरी पार्टी और / अथवा सरकार को उतना मुआवजा  
देगा जितना कि आग लगने से हुई नुकान के बारे में  
निर्धारित किया जाएगा।

(12) हमें समय पट्टे पर तेल क्षेत्र (नियंत्रण और  
विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53)  
और पेट्रोलियम गैस नियम, 1959 के उपबंध लागू  
होंगे।

(13) आयोग पेट्रोलियम खनन पट्टे की सीढ़ को केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकृत/कार्य के रूप में कार्यान्वित, करेगा।

(14) इस पट्टे के अधीन सरकार को देय कियाया, राखटी, कर, फीस और अन्य धनराशि जकाया भूमिगतजल के रूप में वसूल की जाएगी।

प्रियदर्शनी, ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, सियोन, बम्बई-400022 को उनके दिनांक 27-9-1990 के पत्र सं० बी० आर० बी० सी०/जी० जी० एस० ई०/एस० एन०/11/84/90 के संदर्भ में।

2. शा० एम० रामा राव, विधि अधिकारी, विदेश मंत्रालय (विधि एवं संधि प्रभाग), पटियाला हाउस, नई दिल्ली को उनके दिनांक 18-12-90 के शा० सं० एन-III/2/90 के संदर्भ में।

3. रक्षा मंत्रालय (श्री विजय प्रसाद, डैपक अधिकारी), सेना भवन, नई दिल्ली को उनके दिनांक 8-8-1991 के शा० शा० सं० 10(4) 90-(बी) (एम-II) के संदर्भ में।

4. वित्त प्रभाग, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग।

5. लेनन एवं लेखा अधिकारी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग।

विमाण्ड डाफ्ट सं० और तिथि	राशि	लेखा शीर्ष
(क) 35000/र० का जी जी सं० 426975 दिनांक 21-9-90		
(1) आरंभिक पट्टा शुल्क 10,000 र०	मुख्य शीर्ष 0802- पेट्रोलियम	
(2) आरंभिक खर्चों 25,000 र० के लिए व्यय	103- पेट्रोलियम कसेशन फीस और स्वल्प शुल्क	
35,000 र०		

(ख) मुक्ता क्षेत्र में 243 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में खनन के लिए खनन पट्टे की वाचन प्रतिभूमि जमा

के रूप में 1,00,000 रुपये का एक० बी० आर० सं० एस० बी०/ए/4503343/8/190 दिनांक 28-9-1990 इस मंत्रालय की सुरक्षित अभिरक्षा में रख लिया गया है।

(6) अध्यक्ष, लेन एवं प्राकृतिक गैस आयोग, चेन्नई।

(7) शा० (श्रीमती) आर० रामलक्ष्मण, महा प्रबंधक, ओ० एम० जी० सी०, 9वीं मंजिल, टायर-II, 124 कनाट मार्केट, जीवन भारती अस्पताल, नई दिल्ली-110001।

(8) मार्ड फाइल।

### अनुसूची "क"

मुक्ता फील्ड क्षेत्र में 243 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र के लिए खनन पट्टे के लिए भौगोलिक निर्देशांक

पाइंट	रेखास	अक्षांस
ए	19° 13' 44"	71° 40' 05"
बी	19° 13' 44"	71° 42' 00"
सी	19° 16' 29.2"	71° 44' 55.7"
डी	19° 16' 19.5"	71° 47' 12.6"
ई	19° 15' 29"	71° 47' 18"
एफ	19° 15' 32.5"	71° 49' 08"
जी	19° 18' 58"	71° 49' 01"
एच	19° 20' 52"	71° 51' 58"
आई	19° 22' 55"	71° 52' 10"
जे	19° 22' 55"	71° 49' 41"
के	19° 24' 16"	71° 48' 57.5"
एल	19° 23' 53.3"	71° 43' 25"
एम	19° 17' 19.4"	71° 40' 44"

## अनुसूची—ख

अशोधित तेल, केसिंग ट्रेड कार्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मुख्य महित सामिक वितरण के लिए राष्ट्रीयभ अन्वेषण लाइसेंस

## कोलकला

साइट तथा पर्य

क. अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ख. केसिंग ट्रेड कार्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ग. प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त बल मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए बल मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये बल मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त बल मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद् द्वारा मैं थी..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे नहीं समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण और सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

हस्ताक्षर



दिनांक 25 मई 1991

## आदेश

विषय : तेल और प्राकृतिक गैस आयोग को निम्नलिखित-  
पेट्रोलियम अपतटीय क्षेत्र के 6200 वर्ग किलोमीटर  
क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की  
स्वीकृति ।

सं० ओ-12012/11/91-ओ० एन० जी० डी०-4—  
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 8  
के उप नियम (1) की धारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक  
गैस आयोग, तेल भयन, देहरादून को (जिसे इससे इसके परामर्श  
आयोग कहा गया है) क्लॉन निम्नलिखित के अपतटीय क्षेत्र में  
4256 वर्ग कि० मी० क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना  
हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 15-3-1991  
से पार वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति देती है । इसके विवरण  
इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिए गए हैं ।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संयम में होगा ।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ  
पाए गए तो आयोग पूर्ण ध्यान के साथ उसकी  
सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा ।

(ग) स्वतन्त्र शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित शर्तों पर  
की जाएगी :—

(i) समस्त अणोक्षित तेल तथा केमिंग हूड  
कन्वेंन्सेंट पर 314 रुपये प्रति मीट्रिक टन या  
ऐसी दर जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार  
द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

(ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दूनों केन्द्रीय  
सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित  
दर के अनुसार होगी ।

स्वतन्त्र शुल्क (रायल्टी) के अदायगी, पेट्रो-  
लियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली  
के सचिव तथा लेखा अधिकारी को दी जाएगी ।

(घ) आयोग लाइसेंस के प्रारम्भ में प्रत्येक माह के  
प्रथम 30 दिनों में तब माह में प्राप्त समस्त  
अणोक्षित तेल की मात्रा, केमिंग हूड कन्वेंन्सेंट

और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल  
उचित मूल्य वर्मान द्वारा एक पूर्ण तथा उचित  
विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा । यह विवरण  
संवत् अनुसूची "ख" में दिए गए प्रारम्भ से भेजकर  
देना होगा ।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959  
के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग  
80,000 रुपये की वार्षिक प्रतिभूति के रूप में  
जमा करेगा ।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का  
भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलो-  
मीटर या उसके किसी अंश के लिए जिसका  
लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित  
दरों पर की जाएगी :—

- (1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8 रुपये
- (2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 40 रुपये
- (3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200 रुपये
- (4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 400 रुपये
- (5) लाइसेंस के तृतीयकरण

के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 800 रुपये

(छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम,  
1959 के नियम II के उप नियम (3) की अपेक्षाओं  
के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र  
के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतन्त्रता, सरकार को  
वो माह को लिखित नोटिस देने के बाव होनी ।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को भाग लिये जाने पर  
तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान  
पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के स्वयं से भूभेक्षणिक  
अंशों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप में देगा  
तथा हर 6 माहों में निम्नलिखित रूप से केन्द्रीय सरकार  
को समस्त परिचालनों, व्यय तथा अन्वेषण व्ययों  
के परिणामों के बारे में सूचना देगा ।

(झ) आयोग समुद्र का गलबुदा और या उसकी सतह पर  
आग धुआं भव्यो निवारण उपकरणों की व्यवस्था  
करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण,  
यंत्रणा तथा माध्याम घनाये रखेगा और तत्काल फाटी  
और या तब तक की उतना मुआवजा देगा जितना कि  
आग जलने से हुई क्षति के बारे में निर्धारित किया  
जायेगा ।

- (क) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (विनियम और विनियम) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के अन्वय में लागू होंगे।
- (ख) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग के द्वारा सरकार द्वारा अनुमोदित एवं ऐसे कार्य पर सलाह देगा जो अपतटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।
- (ग) आयोग लाइसेंस/अन्वेषण लाइसेंसों/सर्वेक्षणों के दौरान प्राप्त किए गए आद्योमीट्रिक, स्तरीय समूह, छाया और चुम्बकीय आंकड़ों तथा सामान्य रूप से रखा सजालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।
- (घ) आयोग समुद्री बिज्ञान आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- (ङ) सम्पूर्ण आंकड़े भारत में सकलित लिये जाते हैं।
- (च) यदि विदेशी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण शुरू करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषण अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के

आने के बारे में 1 मं. में 7 मं. एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निर्धारण दल की प्रतियोगिता से सुविधा हो।

- (न) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र बिज्ञान संबंधी आंकड़ों की रीखा की गई सम्पूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

अनुसूची "क"

जिम्मान-त्रिवेन्द्रम क्षेत्र के 6200 वर्ग किलोमीटर के लिए भूगो-  
लिक निर्देशांक

पाइठ	अक्षांतर	देशांतर
ए	09° 10' 43"	75° 52' 32"
बी	09° 22' 46"	76° 15' 20"
सी	08° 56' 15"	76° 30' 00"
डी	08° 28' 00"	76° 54' 26"
ई	08° 14' 00"	76° 22' 24"

## अनुसूची—ख

अशोधित तेल, कोर्सिंग ग्रेड कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मुख्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

## क्षेत्रफल

साहू तथा चर्च

क. अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ख कोर्सिंग ग्रेड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 का घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## ग प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोचित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं श्री ..... सत्य निष्ठापूर्वक खोवणा एवं पृष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं कुछ अन्तःकरण और सत्यनिष्ठा से यह खोवणा करता हूँ।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

हस्ताक्षर  
एम० माहिन  
ईस्क अधिकारी

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; TRAINING

## RULES

New Delhi, the 20th July 1991

No. 10/3/91-CSII—The rules for a competitive examination to be held by the Staff Selection Commission in 1991 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts are published for general information.—

- (i) Indian Foreign Services (B) Grade II of the Stenographers Cadre;
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade);
- (iii) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade);
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade C, and
- (v) Posts of Stenographer in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I. F. S. (B) Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

1. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these services/posts as he may wish to be considered for.

NOTE 1. Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts, for which they wish to be considered. No request or alteration in the order of preferences for the Services/posts for which he is competing, would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Staff Selection Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

NOTE 2. Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination would require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (c.f. para 4 of Appendix I to the Rules).

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be determined later on. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4.(i) A candidate must be either :

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India or
- (e) a person of Indian origin who was migrated from Burma and Sri Lanka with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) (Grade II of the Stenographers' Cadre).

(ii) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5(A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August, 1990 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1965 and not later than 1st August, 1972.

(B) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including Language Stenographers/Clerks/Stenotypists in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and have rendered not less than 4 years continuous service as Stenographer including Language Stenographer/Clerk/Steno-Typist on 1st August, 1990 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission and S.S.C. in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C, or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade C, or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers Cadre,
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers (Service Grade C).

NOTE 1—Service rendered by R.A.S., Sorters employed in Subordinate Offices of P&T Deptt. shall be treated as service rendered in the grade of clerks for purpose of Rules 5(B) above.

NOTE 2—Service rendered by Service Clerks, employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rule 5(B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe.
- (ii) Up to a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st Nov 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian Origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

- (vi) Up to a maximum of three years in the case of Defence Service Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (vii) Up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (viii) Up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1990 and have been released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from the date of submission of his application otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidation.
- (ix) Up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and commissioned officers including ECOs/SSOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1990 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from the date of submission of application otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidation and who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (x) Up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1990 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (xi) Up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1990 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for giving employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xii) Up to a maximum of six years if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the 1st day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.
- (xiii) Up to a maximum of eleven years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteen day of August, 1985.

NOTE I—Ex-servicemen who have already joined Government job on the Civil Side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 5(c) (VIII) and 5(c)(ix) above.

NOTE II—For any servicemen of the three Armed Forces of the Union to be treated as Ex-Servicemen for the purpose of securing the benefits of age relaxation he must have already acquired, at the relevant time of submitting his application for the post/service the status of Ex-serviceman and/or is in a position to establish his acquired entitlement

by documentary evidence from the competent authority that he would be discharged from the Armed Forces within the stipulated period of one year on completion of his assignment. (The date of submitting the application is relevant for this purpose). The form of certificate/undertaking to be submitted by the candidate in this connection is given in Annexure (as given in para 2 of O.M. No. 36034/2/91 Estt. (SCT) of Department of Personnel & Training, dated 3-4-1991).

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(B) above shall be cancelled if after submitting the application he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

(ii) A Stenographer (including language Stenographer) Clerk/Steno-typist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible.

6. Candidates must have passed the Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course, for the award of a School Leaving Secondary School, High School of any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services.

NOTE A Candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

7. All candidates in Government service, whether service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

8. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

9. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

10. Candidates must pay the fee prescribed in para 11 of the Commission's Notice.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) Impersonating, or
- (iii) Procuring impersonation by any person, or
- (iv) Submitting fabricated documents or documents which has been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or

- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to, rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period :
  - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from the any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

12 After the examination, the Commission will draw separate merit lists for Hindi Stenographers and English Stenographers as disclosed by the aggregate marks of the candidate in the written test and in the shorthand test and in that Order as many candidates as found qualified by the Commission shall be recommended for inclusion in the Select List for Hindi and English Stenographers upto the number or unreserved vacancies decided to be filled on the result of the Examination

Provided further that the candidate belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may to be extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided further that the candidate belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

Having regard to their rank in order of merit, consideration may be given as far as feasible to their preference at the time of declaration of the final results of the examination.

Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the minimum qualifying standard in the dictation at 100 words per minute. persons in each group being arranged *inter se* in order of merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate.

13 The form and manner of Communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

14. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary to his character and antecedents is suitable in all respects for the appointment to the service/post.

15 No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living entered into or contracted a marriage with any person.

Shall be eligible for appointment to Service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other ground for so doing exempt any person from the operation of this rule.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined

NOTE—In the case of disabled ex-Defence Service personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will not be considered adequate for the purpose of appointment.

17. Brief particulars relating to the Service/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

KARTAR SINGH, Under Secy.

#### APPENDIX I

1 The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

##### PART A—WRITTEN TEST

Paper No	Subject	Max Marks	Duration
Paper I	General Test		
	a) General English	200	2 Hours
	b) General Knowledge (Objective Type)		
Paper II	Essay	100	2 Hours

##### PART B.—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST. 400 marks

NOTE I Paper II of written examination shall be evaluated of only those candidates who attain a minimum qualifying standard in Paper-I as may be fixed at the discretion of the Commission

NOTE II.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them

NOTE III—The papers in General English and General Knowledge will consist of Objective Type questions

3. The syllabus for the Written Tests and the scheme of the Shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

4. Candidates are allowed the option to answer paper II 'Essay' either in Hindi (Devnagari) or in English. The option will apply to complete paper and not to a part thereof.

Candidates exercising the option to answer the Essay paper in Hindi (Devnagari) may, if they so desire give English version within brackets of the description of the technical terms if any, in addition to the Hindi version.

Candidates who opt to answer the aforesaid papers in Hindi (Devnagari) will be required to take the Shorthand Test also in Hindi (Devnagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid paper in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

Question papers in Essay and General Knowledge will be set both in Hindi and in English.

**NOTE 1** Candidates desirous of exercising the option to answer paper II Essay of the Written Test and take Shorthand Test in Hindi (Devnagari), should indicate their intention to do so in Col 9 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The Option once exercised shall be treated as final, no request for alteration in the said column shall be entertained.

If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper of such candidates will not be valued.

**NOTE 2**—Candidates who opt to take the shorthand test in Hindi will be required to learn English Stenography and *Vice versa*, after their appointment.

**NOTE 3**—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

5 Part (a) of Paper-I of the Written Test will be set in English only. Part (b) of Paper-I will be printed in Bilingual form.

6 Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

7 The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

8 Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test, as may be fixed by the commission in their discretion, will be called for shorthand test.

9 Marks will not be allowed for mere superficial knowledge.

10 Deduction upto 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

11 Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words in the paper on Essay for the examination.

12 Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

## SCHEDULE

### PART-A

#### Standard and Syllabus of the written test

**NOTE**—The standard of the question papers in part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

**General English** The Paper will be designed to test the candidates knowledge of English Grammar and Composition and generally their power to understand and ability to write

correct English. The paper may include question on correct use of words, easy idioms and preposition, direct and indirect speech etc.

**Essay**. Candidates will be required to write essay on two topics. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

**General Knowledge**—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plan Indian History and Culture, general and economic geography of India, current events, everyday science and such matters of everyday observation as, may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

## PART-B

### Scheme of Shorthand Test

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes, which the candidates will be required to transcribe in 45 to 50 minute respectively.

The Shorthand tests in Hindi will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minutes for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

## APPENDIX-II

Brief particulars relating to the Services posts to which recruitment is being made through this examination.

### A. THE CENTRAL SECRETARIAT STENOGRAPHERS' SERVICE

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades—

Private Secretary Grade—Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500

Grade 'A' and 'B' (merged) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500

Grade 'C' Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900

Grade 'D' Rs. 1200-30-1660-EB-40-2040.

(2) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training to pass such examination as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the persons concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to Grade 'C' of the Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Stenographers' Service Scheme.

#### B. The Railway Board Secretariat Stenographers' Service;

The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades—

Grades 'A' & 'B' (Merged); Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Grade 'C' Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade 'D' Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.

(i) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(ii) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be eligible for promotion to the higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules

(i) will be eligible for pensionary benefits, and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service;

(d) The candidate appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the Privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other condition of service, staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

#### C. Indian Foreign Service (B)—Grade II of the Stenographers' Cadre

The Stenographers cadre of the IFS (B) has at present the following grades—

Selection Grade : & Grade-I (Merged) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500

Grade-II Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade-III Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

The constitution of a new grade in Steno Cadre in the scale of Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500 is under process.

2. Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or the conduct of any of them in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. The officers appointed to Grade II of the SSC of the I.F.S. (Branch B) will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RCSP) Rules, 1964, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to I.F.S. 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4. The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are however, liable to be posted abroad against the posts borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including non-family station.

5. During Service abroad IFS (B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition the following concessions are also admissible during service abroad in accordance with the FS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officers

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.

(ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Annual return air passage for children upto a maximum of the two children between the age of 6 and 22 studying in India or one child studying in India and one child in a country other than the country of the officer's posting abroad subject to certain conditions. If a Government servant has more than two children between the ages of 6 and 22 studying in India, he shall have the option to send his wife to India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such case the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available.

(iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children the age of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(v) Outfit allowance in connection with services abroad in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time.

(vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.



6. Central Civil Service (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time will apply to members of the service subject to certain modifications. For service abroad, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.

7. While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

8. Officers of the I.F.S. (B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

9. Officers appointed to this service are governed by the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

#### D. Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

The AFHQ Stenographers' Service has at present the following grades :—

Grade 'A' & 'B' (merged)—Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Grade 'C' Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade 'D' Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.

2. Persons recruited direct as temporary Stenographers' Grade 'C' (Personal Assistant) will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharged of the probationer from service. During probation, a member of the service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may from time to time prescribe.

3. Stenographers' Grade 'C' recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where office of AFHQ's organisation may be located.

4. Stenographers' Grade 'C' will be eligible for promotion to the post of Stenographers' Grade B (Senior Personal Assistant) and Stenographers' Grade B (S.P.As) will be eligible for promotion to Stenographers' Grade A (Private Secretary) in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical aid and other condition of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisation.

#### ANNEXURE

Form of Certificate for serving personnel

Please see Rule III below rule para (i)

I hereby certify that according to the information available with me (No.) \_\_\_\_\_

Rank \_\_\_\_\_ (Name) \_\_\_\_\_ is due to complete the specified form of his engagement with the Armed Forces on the (date) \_\_\_\_\_

Place

Date

Signature of Commanding Officer  
Office Seal

#### Undertaking to be given by the candidates

I understand that, if selected on the basis of the recruitment/examination to which this application relates, my appointment will be subject to my producing documentary evidence to the satisfaction of the appointing authority that I have been duly released/retired/discharged from the Armed Forces and that I am entitled to the benefits admissible to ex-servicemen in terms of the Ex-servicemen/Re-employment in Central Civil Services & Posts Rules, 1979, as amended from time to time.

Signature of candidate

Place

Date

#### MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (DEPARTMENT OF PETROLEUM AND NATURAL GAS)

New Delhi, the 14th May 1991

#### ORDER

Subject : Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Kutch Offshore Block I, Extension-D area measuring 275 sq. kms.

No. O-12012/21/89-ONG D 4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of Rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four years from 28-3-1989 for Kutch Offshore Block-I Extension D area measuring 275 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of licence is subject to the terms and conditions mentioned below :—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged :
  - (i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
  - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Department of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/ as security as required by rule 11 of the PNG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence.
- Rs. 8/- for the first year of the licence;
  - Rs. 40/- for the second year of the licence;
  - Rs. 200/- for the third year of the licence;
  - Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
  - Rs. 600/- for the first and second years of renewal.
- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.
- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) The Commission should ensure security of oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the inspection team.
- (p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

Coordinates of Kutch Offshore/PEL applied by ONGC  
Point Block I Extn. D

	Latitude			Longitude		
	D	M	S	D	M	S
A	23	04	30	68	42	15
B	22	58	15	68	56	00
C	22	53	45	68	54	00
D	23	00	00	68	40	00
E	22	10	00	68	05	00
F	22	10	00	68	10	45
G	21	55	00	68	10	45
H	21	55	00	68	05	00
1.	21	39	00	68	00	00
2.	21	23	30	68	00	00
3.	21	23	30	67	45	00
4.	21	28	18	67	45	00
5.	21	28	38	67	35	00
6.	21	44	50	67	43	00
7.	21	44	50	67	33	25
8.	21	54	35	67	33	25
9.	21	54	35	67	10	00
10.	22	15	00	67	25	00
11.	22	15	00	67	55	00
12.	21	39	00	67	55	00

## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof  
Petroleum Exploration Licence for  
Area

Month and Year :

## A—Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## B—Casing-head condensate

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## C—Natural Gas

Total No. of cubic metres obtained	No. of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No. of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri.....do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India.

.....  
(Signature)

The 18th June 1991

## ORDER

**Subject :** Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Palar Basin of Palar offshore P-OS-II A Block area measuring 1100 sq. kms.

No. O-12012/50/90-ONGC IV. In exercise of the powers conferred by clause (1) of sub-rule (1) of Rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four years from 17th July, 1990 (17-7-1990) for Palar Basin of Palar offshore P-OS-II A Block area measuring 1100 sq. kms., the Particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of licence is subject to the terms and conditions mentioned below :—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged :—
  - (i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
  - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Department of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the Licence. The return shall be in the form given at Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence :—
  - (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
  - (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
  - (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
  - (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
  - (v) Rs. 600/- for the first and second years of renewal.

(g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

(h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially an full report of the Geological data of all the mineral found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (33 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

(l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.

(m) The Commission should ensure security of oceanographic data.

(n) The entire data is processed in India.

(o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate despatch of the Inspection team.

(p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

Geographical coordinates of Palar Basin of Palar offshore P-OS-IIA. Block area measuring 1100 sq. kms.

Point	Latitude	Longitude
A	15° 00'	80° 06'
B	15° 00'	80° 23'
C	14° 40'	80° 23'
D	14° 40'	80° 10'
E	14° 47'	80° 06'

## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas

Produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

A.—Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B—Casing-head condensate

Total Number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C—Natural Gas

Total Number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri \_\_\_\_\_ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.  
By order and in the name of the President of India

(Signature)

The 24th June 1991

## ORDER

No. 12012/52/90-ONGC D-IV.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (hereinafter referred to as Commission) a Mining Lease to mine Petroleum for 20 years with effect from the 15th day of November, 1990 (15-11-1990) in Mukta field area measuring 243 sq. kms. more particularly described in Schedule 'A' attached to this order.

2. The grant of this Mining Lease is subject to the following terms and conditions :—

- (1) The Mining Lease would be only in respect of Petroleum;
- (2) If any minerals other than petroleum are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (3) (i) Royalty at the rate of Rs. 314/- per metric tonne or such other rate as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing head condensate shall be paid by the Commission.  
(ii) In the case of natural gas, the rates of royalty shall be as fixed by Central Government from time to time.  
(iii) The royalty shall be paid to the Pay & Accounts Officer, Deptt. of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.
- (4) The Commission shall, within the first seven days of every month, furnish to the Central Government a full and proper return showing the quantity and gross value of all crude oil casing head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the lease, in the Form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (5) The Commission shall deposit a sum of Rs. 1,00,000/- as security as required by rule 13 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.
- (6) The Commission shall also deposit with the Central Government Rs. 25,000/- as Mining Lease fee prior to the grant of lease.
- (7) The Commission shall pay to the Central Government for every year a fixed yearly dead rent at the following rates :  
Rs. 12.50 per hectare or part thereof for the first 100 square kilometres and Rs. 25/- per hectare or part thereof the area exceeding the first 100 square kilometres provided that the lease shall be liable to pay only the dead rent or the royalty, whichever is higher in amount but not both.
- (8) The Commission shall pay to the Central Government for the surface area of the land actually used by it for the purpose of the operations conducted under this lease, surface rent at such rate, not exceeding the land revenue and cesses assessed or assessable on and, as may be specified by the Central Government from time to time.
- (9) The Commission shall pay to the Central Government royalty, half-yearly as on 1st July and 1st January each year.
- (10) The Commission shall immediately on demand submit to the Central Government, a full confidential report of the geological data of all the minerals found during the exploration/production of oil and natural gas and shall submit, every six months, the results of all operations, boring and production without fail.

(11) The Commission shall take preventive measures the surface and shall keep such equipment, supplies, and means ready at all time to extinguish the fire and shall pay such compensation to the third party and/or Government as may be determined in case of damages due to fire.

(12) This Mining lease shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(13) The Commission shall execute a Deed of the Petroleum Mining Lease in the form approved by the Central Government.

(14) Any rent, royalty, tax, fee or other sum due to the Government under this Lease shall be recoverable from the Commission as arrears of land revenue.

6-B, Priyadarshini, Eastern Express Highway, Slon, Bombay-400 022 w.r.t. their letter No. BRBC/CGME/ML/11/84/90 dated 27-9-1990.

2. Dr. S. Rama Rao, Legal Officer, Ministry of External Affairs (Legal & Treaties Division), Patil House, New Delhi w.r.t. their O.M. 1./11/2/90 dt. 18-12-1990.

3. Ministry of Defence (Shri Divya Prasad, DO), Sena Bhavan, New Delhi w.r.t. their O.M. No. 10(4)/90-D(N-II) dt. 8-5-1991

4. Finance Division, D/O Petroleum and Natural Gas.

5. Pay & Accounts Officer, Deptt. of P&NG.

D/D No & Date	Amount	Head of Account
A) Demand Draft No 426975 dated 21-9-1990 for Rs. 35,000		
i) Initial Licence fee 10,000		Under Major Head
ii) 1st year advance L/F 25,000		0802 Petroleum-103-
	35,000	Petroleum conces-
		sion fees and royalti-
		ties

(B) FDR No. SD/A/4503343/8/190 dated 25-9-1990 for Rs. 1,00,000/- as security deposit in respect of Mukta field area measuring 243 sq. kms. has been kept in safe custody of the Ministry.

6. Chairman, ONGC, Tel Bhavan, Dehra Dun, (UP).

7. Dr. (Mrs.) R. Ramchandran, General Manager, ONGC, 9th Floor, Tower-II, 124-Cannanught Circus, Jeevan Bharti Building New Delhi-110001.

8. Guard File

## SCHEDULED 'A'

Geographical Co-ordinates of Mukta Field area measuring (243sq. Kms.)

Point	Latitude	Longitude
A	19° 13' 44"	71° 40' 05"
B	19° 13' 44"	71° 42' 00"
C	19° 16' 29.2"	71° 44' 55.7"
D	19° 16' 19.5"	71° 47' 12.6"
E	19° 15' 29"	71° 47' 16"
F	19° 13' 32.5"	71° 49' 08"
G	19° 18' 38"	71° 49' 01"
H	19° 20' 52"	71° 51' 58"
I	19° 22' 55"	71° 52' 10"
J	19° 22' 55"	71° 49' 41"
K	19° 24' 16"	71° 48' 57.5"
L	19° 23' 50.3"	71° 43' 25"
M	19° 17' 19.4"	71° 40' 44"

## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas  
product and value thereof.

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

## A.—Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Govern- ment	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## B.—Casing-head condensate

Total Number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or return- ed to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration Approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## C.—Natural Gas

Total Number of cubic Metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum explo- ration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri—do hereby solemnly and sincerely declare, and affirm that the infor-  
mation in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

(Signature)

Ta 25th June 1991

### ORDER

**Subject:** Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Qullon-Trivandrum (offshore) area measuring 6200 sq. kms.

No. O-12012/50/90-ONG. D. 4—In exercise of the powers conferred by clause (1) of sub-rule (1) of Rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhuvan, Dehra Dun (hereinafter referred to as Commission), a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four years from 15-3-91 for Qullon-Trivandrum (offshore) area measuring 6200 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below :—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged :

(i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Department of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given at Scheduled 'B' annexed hereto.

- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.

- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence :—

- (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
- (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 600/- for the first and second years of renewal.

- (h) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the Rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

- (i) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

- (j) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

- (k) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

- (l) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

- (m) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.

- (n) The Commission should ensure security of oceanographic data.

- (o) The entire data is processed in India.

- (p) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the inspection team.

- (q) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

### SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates of Qullon-Trivandrum (offshore) area measuring 6,200 sq. kms.

Point	Latitude	Longitude
A	09° 10' 43"	75° 52' 32"
B	09° 22' 46"	76° 15' 20"
C	08° 36' 15"	76° 30' 00"
D	08° 29' 00"	76° 54' 26"
E	08° 14' 00"	76° 22' 24"



## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas

Produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for  
Area

Month and Year

A.—Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government.	No. of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B—Casing-head condensate

Total Number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidable lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C—Natural Gas

Total Number of cubic Metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purpose of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri \_\_\_\_\_ do hereby solemnly and sincerely declare, and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India  
M. MARTIN, Desk Officer

(Signature)

